Report on Role Of Digitalisation For Viksit Bharat

Title of the Event:
Digitalisation For Viksit Bharat

Date: 02/04/2026
Venue: MSH ,FET, Gurukul Kangri(Deemed to be University), Haridwar

Organized By:

AICTE in Gurukul Kangri(Deemed to be University), Haridwar

Event Coordinator:
Dr. Mayank Aggarwal

Resource Person / Speaker:
Dr. Buddha Chandrasekhar(Chief Coordinating Officer- AICTE)

Participants:
B.Tech All Year Students

Objective of the Program

The primary objective of the program was to develop a comprehensive understanding of the role of digitalization in transforming the education sector while contributing to the vision of ***Viksit Bharat***. The workshop aimed to create strong awareness among students and faculty about how modern technology acts as a powerful driver of innovation and enables large-scale impact across various domains in India. It also focused on exposing participants to contemporary digital tools, platforms, and strategies that are reshaping teaching, learning, and institutional practices in today's rapidly evolving educational landscape. Furthermore, the program provided an opportunity to gain valuable insights from industry experts, helping participants connect theoretical knowledge with real-world applications of digital transformation. Overall, the initiative was designed to inspire learners to adopt digital solutions, enhance their skills, and actively participate in building a technologically empowered and future-ready nation.

Program Highlights

- Expert talk by Dr. Buddha Chandrasekhar (AICTE).
- Insights on digital transformation in education and governance.
- Discussion on innovation, technology adoption, and future opportunities.
- Interactive session with participants for knowledge sharing.

Outcome of the Event

- Participants gained a clear understanding of digitalization in nation-building.
- Enhanced knowledge about technology-driven education systems.
- Improved awareness of career opportunities in digital and tech domains.
- Motivation among students to adopt innovative and digital approaches.

Conclusion

The workshop successfully highlighted the significance of digitalization in achieving the vision of ***Viksit Bharat***, emphasizing how technology can drive progress and innovation at both individual and national levels. It offered valuable insights from an experienced expert, helping participants understand the practical applications and future potential of digital transformation. The session inspired attendees to actively leverage technology for their personal development as well as for contributing to the growth of the nation. Overall, the workshop proved to be highly informative, engaging, and impactful, leaving participants motivated and better equipped to embrace the digital era.

Images Of Webinar

Prof. Pratibha Mehta Luthra
Prof. Mayank Aggarwal

नमस्ते

WORKSHOP
ON
ROLE OF DIGITALISATION
FOR VIKSIT BHARAT

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के मुख्य समन्वयक का वैदिक रीति से स्वागत

हरिद्वार। गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय के दैनिक यज्ञ कार्यक्रम में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई), नई दिल्ली के मुख्य समन्वय अधिकारी डॉ. बुद्धा चन्द्रशेखर का माता लाल देवी यज्ञशाला में वैदिक रीति से स्वागत किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. प्रतिभा मेहता लूथरा ने कहा कि वेद और श्रीमद्भगवद्गीता मनुष्य को निष्काम कर्मयोग की प्रेरणा देते हैं।

उन्होंने कहा कि यदि व्यक्ति के लक्ष्य पवित्र हों तो उन्हें प्राप्त करना सरल हो जाता है। कुलपति ने डॉ. बुद्धा चन्द्रशेखर के जीवन को प्रेरणास्रोत बताते हुए विद्यार्थियों से उनके आदर्शों का अनुसरण करने का आह्वान किया। कुलसचिव प्रो. सत्यदेव निगमालंकार ने कहा कि गुरुकुल एक पावन भूमि है, जो पिछले सवा सौ वर्षों से राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत करने के उद्देश्य से शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र सर्वस्व की भावना गुरुकुल की शिक्षा पद्धति का अभिन्न अंग है। मुख्य अतिथि डॉ. बुद्धा चन्द्रशेखर ने कहा कि गुरुकुल की पुण्य भूमि पर आकर उन्हें सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है तथा वे भाषा की सीमाओं को तकनीक के माध्यम से समाप्त करने के लिए कार्य कर रहे हैं। डॉ. बुद्धा चन्द्रशेखर ने कहा कि माँ, मातृभूमि और मातृभाषा का ऋण कभी नहीं चुकाया जा सकता और यही भाव भारत को विश्व गुरु बनाने की दिशा में अग्रसर करता है।

कार्यक्रम में एफईटी के डीन प्रो. मयंक अग्रवाल ने डॉ. बुद्धा चन्द्रशेखर के शैक्षणिक एवं तकनीकी योगदानों की जानकारी दी। इस अवसर पर यज्ञ ब्रह्मा डॉ. वेदव्रत, डॉ. अंकित सैनी, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. उधम सिंह, डॉ. सुशील कुमार, डॉ. संदीप कुमार, समीर राणा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र उपस्थित रहे।

गुरुकुल में डॉ. बुद्धा चन्द्रशेखर का माता लाल देवी यज्ञशाला में वैदिक रीति से स्वागत किया गया

हरिद्वार। गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय के दैनिक यज्ञ कार्यक्रम में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई), नई दिल्ली के मुख्य समन्वय अधिकारी डॉ. बुद्धा चन्द्रशेखर का माता लाल देवी यज्ञशाला में वैदिक रीति से स्वागत किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. प्रतिभा मेहता लूथरा ने कहा कि वेद और श्रीमद्भगवद्गीता मनुष्य को निष्काम कर्मयोग की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि यदि व्यक्ति के लक्ष्य पवित्र हों तो उन्हें प्राप्त करना सरल हो जाता है। कुलपति ने डॉ. बुद्धा चन्द्रशेखर के जीवन को प्रेरणास्रोत बताते हुए विद्यार्थियों से उनके आदर्शों का अनुसरण करने का आह्वान किया। कुलसचिव प्रो. सत्यदेव निगमालंकार ने कहा कि गुरुकुल एक पावन भूमि है, जो पिछले सवा सौ वर्षों से राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत करने के उद्देश्य से शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र सर्वस्व की भावना गुरुकुल की शिक्षा पद्धति का अभिन्न अंग है। मुख्य अतिथि डॉ. बुद्धा चन्द्रशेखर ने कहा कि गुरुकुल की पुण्य भूमि पर आकर उन्हें सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है तथा वे भाषा की सीमाओं को तकनीक के माध्यम से समाप्त करने के लिए कार्य कर रहे हैं। डॉ. बुद्धा चन्द्रशेखर ने कहा कि माँ, मातृभूमि और मातृभाषा का ऋण कभी नहीं चुकाया जा सकता और यही भाव भारत को विश्व गुरु बनाने की दिशा में अग्रसर करता है। कार्यक्रम में एफईटी के डीन प्रो. मयंक अग्रवाल ने डॉ. बुद्धा चन्द्रशेखर के शैक्षणिक एवं तकनीकी योगदानों की जानकारी दी। इस अवसर पर यज्ञ ब्रह्मा डॉ. वेदव्रत, डॉ. अंकित सैनी, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. उधम सिंह, डॉ. सुशील कुमार, डॉ. संदीप कुमार, समीर राणा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र उपस्थित रहे।

विकसित भारत के लिए डिजिटलीकरण की भूमिका विषय पर व्याख्यान आयोजित

हरिद्वार (बद्री विशाल)। गुरुकुल कांगड़ी सम विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय के मैकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग के सभागार में विकसित भारत के लिए डिजिटलीकरण की भूमिका विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को डिजिटल युग की आवश्यकताओं से अवगत कराना तथा उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना था।

कार्यक्रम में एआईसीटीई के समन्वयक डॉ बुद्ध चंद्रशेखर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में उन्होंने भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा और आधुनिक तकनीकी विकास के बीच संबंध को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि भारत के विद्यार्थियों की मानसिक शक्ति हजारों वर्षों की सांस्कृतिक और वैचारिक परंपरा से विकसित हुई है जो उन्हें वैश्विक स्तर पर विशिष्ट बनाती है।

डॉ चंद्रशेखर ने कहा कि भारतीय वेदों पर आज भी विश्व के विभिन्न देशों में शोध कार्य किए

जा रहे हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि जर्मनी जैसे देशों में वेदों का अध्ययन कराया जा रहा है तथा संस्कृत भाषा को विशेष महत्व दिया जा रहा है, जो भारतीय ज्ञान प्रणाली की वैश्विक स्वीकार्यता का प्रमाण है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो प्रतिभा मेहता लूथरा ने कहा कि डिजिटलीकरण वर्तमान समय की अनिवार्य आवश्यकता बन चुका है। उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीकों के माध्यम से शिक्षाए स्वास्थ्यए प्रशासन और उद्योग जैसे क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन संभव है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे नई तकनीकों को अपनाकर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में अपना योगदान दें।

अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो मयंक अग्रवाल ने तकनीकी शिक्षा के बदलते स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय में इलेक्ट्रॉनिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग तथा इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी तकनीकों का महत्व तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने तकनीकी शिक्षा को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने पर भी बल दियाए ताकि विद्यार्थी रोजगार के लिए बेहतर रूप से तैयार हो सकें।

कार्यक्रम के अंत में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं अभियांत्रिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो विपुल शर्मा ने मुख्य वक्ता सहित सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे व्याख्यान विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी होते हैंए क्योंकि इससे उन्हें अपने करियर की दिशा निर्धारित करने में सहायता मिलती है।

इस अवसर पर डॉ एमएम तिवारी, डॉ संजीव लाम्बा, गजेंद्र सिंह, प्रवीण पांडेय, डॉ अमन त्यागी, मयंक पोखरियाल, नमित खंडूजा, सहायक कुलसचिव डॉ पंकज कौशिक, डॉ निशांत, डॉ धर्मेंद्र बालियान, दीपक वर्मा, उमाशंकर सहित अनेक शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ प्रशांत कौशिक ने किया।

गुरुकुल में डॉ. बुद्धा का वैदिक रीति से किया स्वागत

स्वतंत्र चेतना

हरिद्वार। गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के दैनिक यज्ञ कार्यक्रम में गुरुवार को ऑल इण्डिया काउंसिल फॉर टेक्निक एजूकेशन (एआईसीटीई), नई दिल्ली के मुख्य समन्वय अधिकारी डा. बुद्धा चन्द्रशेखर सम्मिलित हुए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा मेहता लूथरा ने कहा कि वेद और श्रीमद् भागवत गीता मनुष्य को निष्काम कर्मयोग की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि यदि व्यक्ति के लक्ष्य पवित्र हों तो उन्हें प्राप्त करना सरल हो जाता है। कुलसचिव प्रो. सत्यदेव निगमालंकार ने कहा कि गुरुकुल एक पावन भूमि है, जो पिछले सवा सौ वर्षों से राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत करने के उद्देश्य से शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर योगदान दे रही है। मुख्य अतिथि डॉ. बुद्धा चन्द्रशेखर ने कहा कि गुरुकुल की पुण्य भूमि पर आकर उन्हें सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव हुआ। उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है और वे तकनीक के माध्यम से भाषा की सीमाओं को समाप्त करने के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि माँ, मातृभूमि और मातृभाषा का ऋण कभी नहीं चुकाया जा सकता, और यही भावना भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में अग्रसर करती है। कार्यक्रम में एफईटी के डीन प्रो. मयंक अग्रवाल ने डॉ. बुद्धा चन्द्रशेखर के शैक्षणिक एवं तकनीकी योगदानों की जानकारी दी। इस अवसर पर यज्ञ ब्रह्मा डॉ. वेदव्रत, डॉ. अंकित सैनी, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. उधम सिंह, डॉ. सुशील कुमार, डॉ. संदीप कुमार, समीर राणा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र उपस्थित रहे।

Attendance

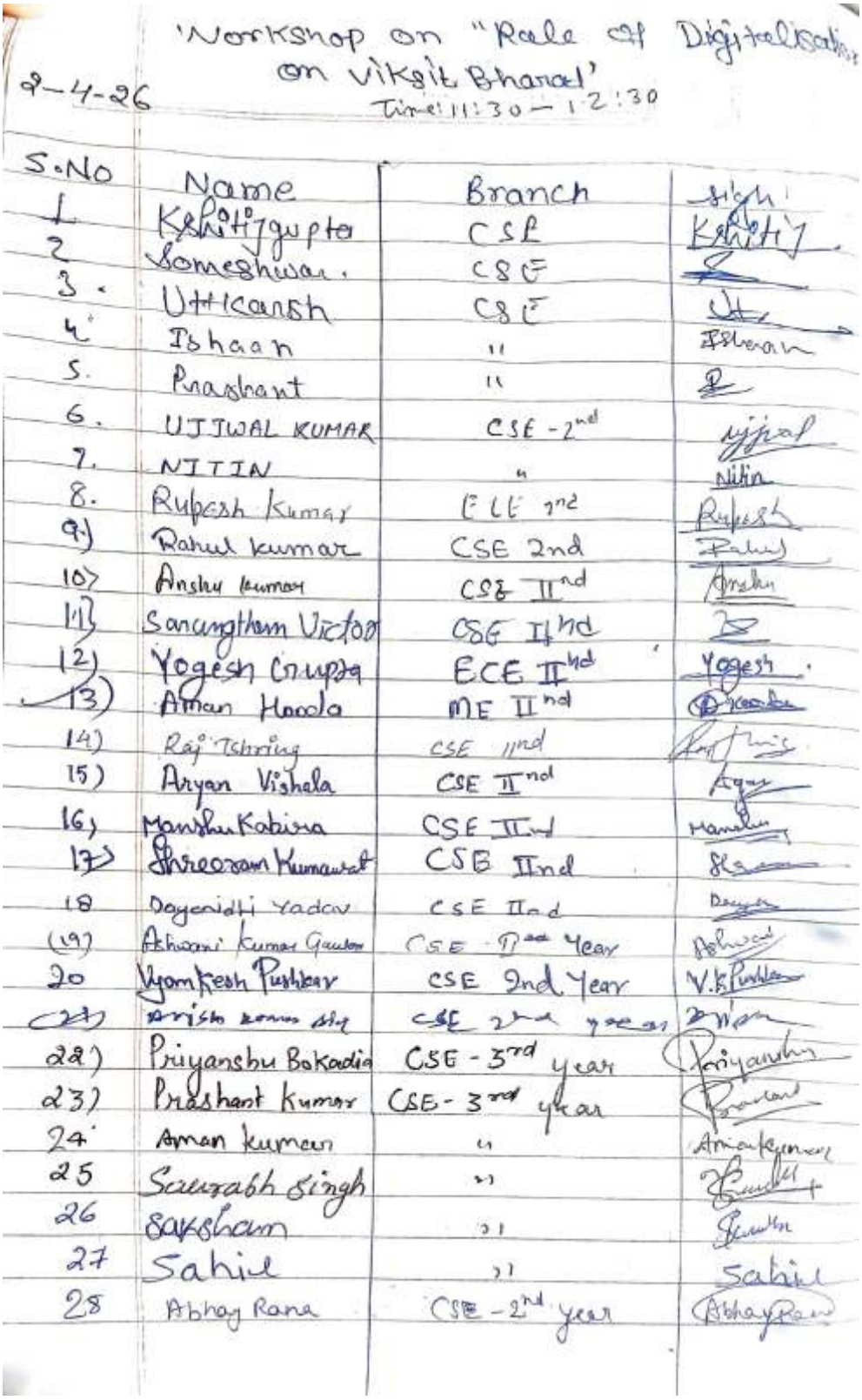

'Workshop on "Role of Digitalisation on Viksit Bharat'

2-4-26

Time: 11:30 – 12:30

S.No	Name	Branch	Sign
1	Kshitij gupta	CSE	Kshitij
2	Someshwar.	CSE	[illegible]
3.	Uttkarsh	CSE	Utt
4	Ishaan	"	Ishaan
5.	Prashant	"	[illegible]
6.	UJJWAL KUMAR	CSE - 2nd	ujjwal
7.	NITIN	"	Nitin
8.	Rupesh Kumar	ECE 2nd	Rupesh
9)	Rahul kumar	CSE 2nd	Rahul
10)	Anshu kumar	CSE IInd	Anshu
11)	Sarangtham Victor	CSE IInd	[illegible]
12)	Yogesh Gupta	ECE IInd	Yogesh
13)	Aman Hooda	ME IInd	[illegible]
14)	Raj Tshering	CSE IInd	[illegible]
15)	Aryan Vishala	CSE IInd	Aryan
16)	Manshu Kabira	CSE IInd	Manshu
17)	Shreeram Kumawat	CSE IInd	Shree
18	Dayanidhi Yadav	CSE IInd	Dayan
(19)	Ashwani Kumar Gautam	CSE IInd Year	Ashwani
20	Vyomkesh Pushkar	CSE 2nd Year	V.K.Pushkar
21	Arish kumar [illegible]	CSE 2nd year	[illegible]
22)	Priyanshu Bokadia	CSE - 3rd year	Priyanshu
23)	Prashant Kumar	CSE - 3rd year	Prashant
24	Aman kumar	"	Aman kumar
25	Saurabh Singh	"	[illegible]
26	Saksham	"	[illegible]
27	Sahil	"	Sahil
28	Abhay Rana	CSE - 2nd year	Abhay Rana

Role of Digitalisation on Viksit Bharat

Expert Speaker: Dr. Buddha Chandrasekhar

S.No	Name	Branch	Sign.
29	Keshav Sharma	CSE – III^rd^ year	Keshav Sharma
30	Amit Malik	CSE – III^rd^ year	Amit
31	Ankit chaubey	CSE – III^rd^ year	Ankit
32	Amitesh kumar Yadav	CSE – III^rd^ year	Amitesh
33	Aditya Sharma	CSE – III^rd^ year	Aditya
34	Jay Dutta	CSE – III^rd^ year	Dutta
35	Aman Nauhwar	CSE – III^rd^ year	Aman Nauhwar
36	Dhiraj kumar	CSE – III year	Dhiraj Kumar
37	Harsh Kumar Singh	CSE – III year	Harsh
38	Amrit Pandey	CSE – III Year	Amrit Pandey
39	Naman Kumar	CSE – II^nd^ year	Naman
40	Alok Kumar Singh	CSE – III^rd^ year	Alok Singh
41	Ayush Raj	CSE – III^rd^ year	Ayush Raj
42	Amit Kumar	CSE – III^rd^ yr.	Amit
43	Nakul Goel	CSE – II^nd^ yr.	Nakul
44	Manoj Sharma	CSE – III^rd^ year	Manoj
45	Abhishek	CSE III	Abh
46	Madhur	CSE III	Madhur
47	Dev Aaryan	CSE III	Dev
48	Nikesh Pal	CSE II^nd^	Nikesh
49	Raghav Pachauri	CSE II^nd^	
50	Esham Singh	CSE III	Esh
51	Harsh	CSE III	Harsh
52	Om Prakash	CSE III	Om
53	Ankur Kannojiya	CSE III sem	Ankur
54	Shreyansh Kar	CSE II^nd^	Shrey
	Manish Patel		
55	Prashant Chauhan	CSE II^nd^ year	

S.No	Name	Branch	Sign.
56.	Saurabh Dubey	CSE IInd year	[illegible]
57.	Samrendra Yadav	CSE IInd year	Samrendra
58	Shishu Kumar	ECE Ist year	Shishu kumar
59	Aman Kumar	ECE Ist year	Aman Kumar
60.	Aditya Kumar	CSE IInd year	Aditya Kumar
61	Ashutosh Acharya	"	Ashutosh Acharya
62.	Ashif Ku. Singh	"	[illegible]
63.	Ankit Kumar	CSE IInd year	[illegible]
64.	Anurag Kumar	CSE IInd year	Anurag
65	Aman Patel	CSE IInd year (Lateral)	[illegible]
66.	Adarsh Kumar Yadav	CSE II year	Adarsh
67.	Goutam Kumar	CSE II year	Goutam
68.	Abhishek Kumar	CSE II year	Abhishek
69.	Bharat Gautam	CSE II YEAR	Gautam
70	Chandan Kumar	CSE II year	[illegible]
70	Abhyudya Garg	CSE 2 year	[illegible]
71	Amrit	CSE 2 year	[illegible]
72	Himanshu Sharma	CSE Ist	[illegible]
73	Navneet Kumar	CSE Ist year	[illegible]
74	Jatin / Manoj	CSE "	Jatin
75	Kamal	CSE "	Kamal
76.	Mohit Sharma	CSE "	Mohit
77.	Krishna Jaiswal	CSE Ist year	[illegible]
78	Vishal Rai	CSE 2nd Year	Vishal Rai
79.	Rinav raj	CSE Ist year	Rinav raj
80.	Raushan Kr Mehta	CSE 1st year	Raushan Kr
81	Nitish Kumar	CSE 1st year	Nitish Kumar
82.	Kousik Mahato	CSE 1st Year	[illegible]
83	Prince Kumar	"	[illegible]

S.No	Name	Branch	Sign
84)	Amresh Kumar	CSE IInd year	Amresh Kumar
85)	Sufal Sharma	CSE IInd year	Sufal
86	Sunny	CSE IInd year	Sunny
87	Ravi Bansal	CSE Ist year	Ravi
88	Sachin Singh	CSE Ist Year	Sachin
89	Kuber Bansal	CSE, Ist year	Bansal
90	Ritesh Joshi	CSE, Ist year	Ritesh
91	Sangharsh Kharat	CSE, 1st year	[illegible]
92	Kreel Kamal	CSE, 1st Year	[illegible]
93	Sahil Saini	CSE, 1st year	Sahil
94	Reddi Gagan	CSE, 1st year	Gagan
95.	Nagulapalli Hem charan	CSE, 1st year	N. Hem Charan
96.	D. charan Kumar	CSE, 1st year	[illegible]
97.	P.T.S. Jagruth	CSE, 1st year	[illegible]
98.	Shashank Prakash	CSE, 2nd Year	Shashank
99.	Shivam Dubey	CSE, 2nd Year	Shivam
100	Ayush Kr gupta	CSE, 2nd year	Ayush
101	RamKrishn Yadav	CSE, 1st year	RamKrishn
102	Rohit Kumar	CSE, 1st year	Rohit
103	Robin Singh	CSE, 1st year	K
104	Priyanshu Kumar Ray	CSE, 1st year	[illegible]
105	Rishav Kumar	CSE, 1st year	Rishav
106	Rajnikant Singh.	CSE, 1st years	Rajni kant Singh
107	Jaiveer Verma	CSE, 1st years	Jaiveer
108	Pushpendra meher	CSE 1st year	[illegible]
109	Prashant Dixit	CSE 1st year	Prashant
110	Aman Hooda	ME IInd Year	A Hooda
111	Aaryaman	CSE IIIrd Year	[illegible]
112	Abhinandan.	CSE 3rd yr	Abhinandan

Sl. No.	Name	Branch	Signature
113	Raghav Shriwats	CSE, Ist Year	राघव श्रीवत्स
114	Ravi Kumar	CSE, 1st year	Ravi Kumar.
115	Mritunjay Kumar	CSE, 1st year	Mkumar
116	Mohammad Irsad	CSE, 1st year	Irshad
117	Saurabh Kumar	CSE, 1st year	[illegible]
118	Saurav Kumar	E.C.E, 1st year	[illegible]
119	Ritesh Kumar	ECE, 1st year	Ritesh Kumar
120	Kartikey Gupta	CSE, 3rd year	Kartikey Gupta
121	Kartik	CSE, 3rd Year	Kartik
122	Dipesh	CSE, 3rd Year	Dipesh
123	Harshit Lakhchaura	CSE, 3rd Year	Harshit
124	Prithviraj Dagachi	CSE, 3rd Year	[illegible]
125	Rishabh Choudhary	ME, 3rd Year	Rishabh
126	Shourya Chitransh	ME, 3rd Year	Chitransh.
127	Ayush Singh	ME, 3rd Year	Ayush
128	AYUSH KUMAR	CSE, 3rd year	Ayush Kr.
129	Sumraj Gond	CSE, 3rd year	[illegible]
130	Ayush Singh	CSE, 2nd year	[illegible]
140	Omkesh Kumar	CSE, 2nd year	Omkesh Kumar
141	Lalit Punetha	CSE, 2nd year	Lalit
142.	Lohit Hrs. Gosh	ECE, 2nd year	Lohit.